

ग्रसाबारण

### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं े [ 496]

नई बिल्ली, ब्धवार, विश्वन्तर 4, 1974/मप्रहा ज 13, 1896

No. 496] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 4, 1974/AGRAHAYANA 13, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ध्रलग संकलन के रूप में रखा जा तरे । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

#### MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 4th December 1974

S.O. 698(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And, whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works connected with the supply of electrical energy to the public, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited. Neyveli, in the State of Tamil Nadu) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 604(E) dated the 9th October, 1974, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months.

[No. F. S-42025/24/74-LRI] N. P. DUBE, Addl. Secy.

### श्रम मंत्रालय

### श्रादेश

# नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1974

एस० थ्रो 。 698 (भ्र).—यतः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए श्रावश्यक प्रदाय श्रौर मेवाएं बनाए रखने के लिए ऐसा करना श्रावश्यक श्रौर समीचीन है ;

श्रीर यत: तिमल नार्डुं राज्य में जनता के लिए विद्युत् ऊर्जा के प्रदाय श्रथवा इस प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के हैं, उत्पादन, संचयन या प्रेषण (जिसमें तिमल नार्डु राज्य में नेवेली लिग्नाइट कारपोरेणन लिमिटेड, नेवेली से सम्बद्ध, जनता को विद्युत् ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत् ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण से संबंधित संकर्म शामिल हैं) से सम्बद्ध सेव्यंश्रों में कोई हड़ताल समुदाय के जीवन के लिए श्रावण्यक प्रदाय श्रीर सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकृत प्रभाव डालेगी, उक्त सेवाश्रों में हड़ताल रोकना श्रावश्यक श्रीर समीचीन है;

श्रतः, श्रवः, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रौर भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की श्रधिमूचना संख्या का॰ श्रा॰ (604(इ) तारीख 9 श्रक्तूबर, 1974 को श्रांशिक रूपान्तरण करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भेषाश्रों में किसी श्रौद्योगिक विषाद में संबंधित किसी हड़ताल को छः मास की श्रविध के लिए प्रतिषिद्ध करती है, जो तुरन्त प्रभावी होगा।

[सं फा एम-42025/24/74-एल श्रार 1]

नि० प्र० दुवे, ग्रपर सचिव ।